पाठ 13

जिसके हम मामा हैं

(प्रस्तुत पाठ हिन्दी साहित्य की लोकप्रिय विधा 'व्यंग्य' के अन्तर्गत दिया गया है। इसमें आज के राजनीतिज्ञों पर सटीक व्यंग्य किया गया है।)

एक सज्जन वाराणसी पहुँचे। स्टेशन पर उतरे ही थे कि एक लड़का दौड़ता आया।

'मामाजी! मामाजी।'-- लड़के ने लपक कर चरण छुए।

वे पहचाने नहीं, बोले--'तुम कौन?'

'मैं मुन्ना। आप पहचाने नहीं मुझे?'

'मुन्ना?' वे सोचने लगे।

'हाँ, मुन्ना। भूल गये आप मामाजी। खैर कोई बात नहीं इतने साल भी तो हो गये।'

'तुम यहाँ कैसे ?'

'मैं आजकल यहीं हूँ।'

'अच्छा!'

'हाँ |'

मामाजी अपने भानजे के साथ वाराणसी घूमने लगे। चलो कोई साथ तो मिला। कभी इस मन्दिर, कभी उस मन्दिर, फिर पहुँचे गंगा घाट। सोचा नहा लें।

'मुन्ना नहा लें?'

'जरूर नहाइए मामाजी । वाराणसी आये हैं और नहायें नहीं, यह कैसे हो सकता है।'

मामाजी ने गंगा में डुबकी लगायी। हर-हर गंगे। बाहर निकले तो सामान गायब, कपड़े गायब, लड़का भी गायब।

'मुन्ना..... ए मुन्ना।'

मगर मुन्ना वहाँ हो तो मिले। तौलिया लपेट कर खड़े हैं।

'क्यों भाई साहब, आपने मुन्ना को देखा है?'

'कौन मुन्ना?'

'वही जिसके हम मामा हैं।'

'मैं समझा नहीं।'

'अरे हम जिसके मामा हैं वो मुन्ना।'

वे तौलिया लपेटे यहाँ से वहाँ दौड़ते रहे। मुन्ना नहीं मिला। भारतीय नागरिक और भारतीय वोटर के नाते हमारी यही स्थिति है मित्रों! चुनाव के मौसम में कोई आता है और हमारे चरणों में गिर जाता है। मुझे नहीं पहचाना! मैं इस चुनाव का उम्मीदवार। होनेवाला एम0पी0। मुझे नहीं पहचाना। आप प्रजातन्त्र की गंगा में डुबकी लगाते हैं। बाहर निकलने पर आप देखते हंै कि वह शख्स जो कल आपके चरण छूता था, आपका वोट लेकर गायब हो गया। वोटों की पूरी पेटी लेकर भाग गया। समस्याओं के घाट पर हम तौलिया लपेटे खड़े हंै। सबसे पूछ रहे हैं। क्यों साहब वह कहीं आपको नजर आया? अरे वही

जिसके हम वोटर हैं। वही जिसके हम मामा हैं। पाँच साल इसी तरह तौलिया लपेटे, घाट पर खड़े बीत जाते हैं। - शरद जोशी

शरद जोशी का जन्म 21 मई सन् 1931 ई0 को उज्जैन (मध्य प्रदेश) में हुआ था। जोशी जी हिन्दी के श्रेष्ठ व्यंग्यकार हैं। समाज और राजनीति की गिरावट पर आपने गहरा प्रहार किया। जोशी जी की भाषा सीधी और सरल होती है। अपनी व्यंग्य रचनाओं के अन्त में वे तीखी चोट करते हैं। 'एक गधा उर्फ अलादाद खाँ' तथा 'अन्धों का हाथी' आपके नाटक हैं। 'परिक्रमा', 'किसी बहाने', 'जीप पर सवार इल्लियाँ', 'रहा किनारे बैठ', 'दूसरी सतह पर'' इनके व्यंग्य-संग्रह हैं। आप का निधन 5 सितम्बर सन् 1991 ई0 को हुआ।

शब्दार्थ

एम.पी.=मेम्बर आफ पार्लियामेंट, सांसद। **शख्स**=व्यक्ति, आदमी। **नजर**=दृष्टि।

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

प्रायः कुछ लोग चुनाव में किसी न किसी लोभ या दबाववश योग्य प्रत्याशी को अपना मत न देकर किसी अयोग्य प्रत्याशी को मतदान कर बैठते हैं, जिसका समाज पर बुरा असर पड़ता है। आप भी निकट भविष्य में अपने मत (वोट) का प्रयोग करेंगे। लिखिए कि आप किसी प्रत्याशी को किन बातों के आधार पर अपना मत (वोट) देंगे ?

विचार और कल्पना

1. यदि आपको वोट देने का अवसर प्राप्त होता है तो आप किस प्रकार के व्यक्ति को अपना वोट देना चाहेंगे? लिखिए।

2. अपने ग्राम प्रधान/ सभासद, विधायक (एम0 एल0 ए0), सांसद (एम0 पी0) का परिचय देते हुए उनके व्यक्तित्व और सामाजिक छवि के बारे में अपने विचार लिखिए।

पाठ से

1. व्यंग्य में मामाजी और मुन्ना किसके-किसके लिए प्रयोग किया गया है ?

2. भारतीय नागरिक और भारतीय वोटर के नाते हमारी कैसी स्थिति है ?

3. ‘‘बाहर निकले तो सामान भी गायब लड़का भी गायब’’ इस वाक्य की तुलना पाठ में आये किस वाक्य से की जा सकती है ?

4. ‘‘क्यों साहब वह कहीं आपको नजर आया’’ इस वाक्य से लेखक का क्या आशय है ?

भाषा की बात

1. नीचे दिये गये वाक्यों के रूप कोष्ठक में दिये गये निर्देशों के अनुसार बदलिए-

(क) मैं आजकल यहीं हूँ। (नकारात्मक)

(ख) वे तौलिया लपेटे यहाँ से वहाँ दौड़ते रहे। (प्रश्नवाचक)

(ग) तुमने इतनी देर से मुझे नहीं पहचाना। (विस्मय बोधक)

2. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग एक ही वाक्य में कीजिए -

(क) जैसे ही, वैसे ही -------

(ख) इसलिए, क्योंकि --------

(ग) जितना, उतना --------

3. सहायक क्रिया मुख्य क्रिया की काल सम्बन्धी सहायता करती है, जैसे- 'घूमने लगे' इसमें 'घूमना' मुख्य क्रिया है तथा 'लगे' सहायक क्रिया। इस प्रकार के दो अन्य उदाहरण देकर मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया को अलग-अलग लिखिए।

4. वाक्य शुद्ध कीजिए-

(क) वही जिसके मामा हैं हम।

(ख) वोटों की भाग गया लेकर पूरी पेटी।

(ग) पहुँचे वाराणसी सज्जन एक।

(घ) माधव विद्यालय गया से घर।

(ङ) शैली है गाना रही गा।

5. 'परलोक' शब्द में 'पर' तथा 'बदकिस्मत' शब्द में 'बद' उपसर्ग जुड़ा हैं। नीचे दिये गये शब्दों में से उपसर्ग और शब्द अलग-अलग लिखिए-

अस्थायी, प्रसिद्ध, सपूत, सुगम, खुशकिस्मत, खुशमिजाज, नासमझ, गैरहाजिर।

6.इस पाठ के आधार पर आप भी दो प्रश्न बनाइए।

7.-इस पाठ से

(क) मैंने सीखा .....। (ख) अब मैं करुँगा/करुँगी.....।

इसे भी जाने-

प्रतिवर्ष 14 से 20 सितम्बर तक राष्ट्रीय हिन्दी सप्ताह मनाया जाता है।